संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -296 बुधवार ,28 अगस्त 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

दैनिक घटती घटना कलम बंद

छत्तीसगढ़ सरकार 36 घंटे भी नहीं दिए और उजाड़ दिया आशियाना

क्या प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के लिए पूरे प्रदेश के लोगों से ऊपर उनके भतीजे हैं ?

» छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार क्या गैर संवेदनशील सरकार है...?

» सरकार को कमियां ना दिखाएं तो क्या दिखाएं...?

» क्या विष्णुदेव साय सरकार बेहतर चल रही है...सिर्फ यह बात आईएएस लॉबी को पता है...आम जनता को नहीं है जानकारी...?

» किसी का दिव्यांग प्रमाण-पत्र फर्जी वह करता है मंत्री के घर मनमर्जी, दिव्यांग मांग रहे अधिकार क्या उन्हे दोगे न्याय प्रदेश के कर्णधार?

» क्या फर्जी दिव्यांग और फर्जी डिग्री के आधार पर जो कर रहे नौकरी उन्हे होगी जेल...उन्हें मिल सकेगा संकल्प पत्र अनुसार दण्ड...?

स्वास्थ्य मंत्री ने पत्रकारों को संरक्षण देने की बात कही...वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार पर जनसंपर्क अधिकारी को आगे कर समाचार-पत्र पर दबाव बनाने का कर रहे वह काम...ये कैसा संरक्षण?

कैसे पत्रकारों को मिलेगी सुरक्षा...कैसे समाचार-पत्र रह सकेंगे निष्पक्ष...

जब उन्हे सच लिखने पर मिलेगी सजा?

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री **श्री श्यामबिहारी जायसवाल** के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस **श्री मयंक श्रीवास्तव** के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...प्रशासनिक अत्याचार झेलने के बावजूद है जारी ...

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम श्री रेमन डेका से हस्तक्षेप की मांग...

क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव साहब?

स्पष्ट कीजिए माननीय प्रधानमंत्री जी,स्पष्ट कीजिए माननीय मुख्यमंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन,स्पष्ट कीजिए माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन...गृहमंत्री जी,भारत सरकार क्या छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार को लेकर खबर प्रकाशन पर होगी समाचार पत्र पर कार्यवाही ?

वास्तविक दिव्यांग अपनी मांगो को लेकर उतरे सड़को पर

फर्जी दिव्यांग सर्टिफिकेट से नौकरी का खुलासा

पेंशन की मांग को लेकर छत्तीसगढ़ में दिव्यांगों का प्रदर्शन

» दिव्यांगों का भला सोचने वाली सरकार...आखिर क्यों उन्हें सड़कों पर उतरने के लिए कर रही है बेबस...?

» स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी का नाम भी है शामिल फर्जी दिव्यांग बनकर नौकरी करने वालों की सूची में...

» छत्तीसगढ़ दिव्यांग सेवा संघ वास्तविक दिव्यांगों को मिलने वाले लाभ के लिए लड़ रहा है लड़ाई...

» फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर नौकरी करने वाले वास्तविक दिव्यांगों के अधिकारों का कर रहे हनन...इतने बड़े मामले में सरकार क्यों चुप बैठी है?

फर्जी दिव्यांगता प्रमाण-पत्र से नौकरी का खुलासा करने की मांग

दिव्यांग सेवा संघ का 28 अगस्त को प्रदर्शन छत्तीसगढ़ दिव्यांग सेवा संघ के अध्यक्ष ने बताया की छत्तीसगढ़ में दिव्यांगजनों के अधिकारों की मांगों को लेकर हमने सीएम विष्णुदेव साय,डिप्टी सीएम विजय शर्मा और अरुण साव,कृषि मंत्री रामविचार नेताम और महिला और बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े से मुलाकात कर चुके हैं,प्रशासन स्तर पर प्रमुख सचिव, सचिव,उप सचिव, कलेक्टर और संचालक से मिल चुके हैं लेकिन दिव्यांगों के लिए किसी भी तरह की ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इससे खिलाफ 28 अगस्त को सुबह 10 बजे से पैदल मार्च निकालेंगे,मांगे पूरी होने तक दिव्यांग पैदल मार्च निकालेंगे।

-फाईल फोटो-

छत्तीसगढ़ दिव्यांग सेवा संघ के अध्यक्ष ने बताई दिव्यांगों की ये है प्रमुख मांगे

फर्जी दिव्यांग शासकीय कर्मचारियों अधिकारियों को बर्खास्त करना,सभी दिव्यांगों को 5000 प्रतिमाह पेंशन,बीपीएल बाध्यता खत्म करना,दिव्यांग अविवाहित युवती को महतारी वंदन में शामिल करना, दिव्यांगों को पदोन्नति 4 प्रतिशत बढ़ाना, कोरोना काल से पहले दिव्यांगों के लिए कर्ज को माफ करना।

-विशेष संवाददाता-

अम्बिकापुर/रायपुर,27 अगस्त 2024 (घटती-घटना)।

दिव्यांगों के हित की रक्षा कौन करेगा यह बात इस समय इसलिए उठ रही है क्योंकि वास्तविक दिव्यांगों के हक को फर्जी दिव्यांग मार रहे हैं, शिकायत के बावजूद न तो जांच हो रही है और ना ही कार्यवाही और ना ही दिव्यांगों की रक्षा करने वाली सरकार दिव्यांगों को सुख सुविधा दे पा रही है जिस वजह से आज दिव्यांगों को सड़कों पर उतरना पड़ रहा है,जो सरकार के लिए कहीं ना कहीं मुंह पर तमाचा मारने जैसा है,छत्तीसगढ़ दिव्यांग संघ 28 अगस्त को पैदल मार्च निकालेगा,फर्जी दिव्यांग सर्टिफिकेट से नौकरी पाने वालों का नाम उजागर करना, पेंशन सहित कई मांगों को लेकर दिव्यांग संघ में शामिल लोग सीएम निवास तक पैदल मार्च निकालेंगे। इस प्रदर्शन के दौरान जो सबसे विचित्र बात रहेगी वह यह रहेगी की सरकार के नुमाइंदे केवल इसलिए इसे रोकने या बाधित करने का प्रयास करेंगे क्योंकि इस रैली से कई फर्जी दिव्यांग बनकर अधिकारी बने हुए अधिकारी भी प्रभावित हो सकते हैं। इस मामले में स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी का भी नाम शामिल है जो फर्जी दिव्यांग बनकर नौकरी कर रहा है जिसे स्वास्थ्य मंत्री का संरक्षण है और जिसके खिलाफ खबर प्रकाशित करना भी दैनिक घटती-घटना समाचार पत्र कार्यालय पर बुलडोजर चलने का एक कारण बना था।

ज्ञात हो की सरकार दिव्यांगों के लिए कई योजना लाती है और दिव्यांगों को मजबूत बनाने के लिए तरह-तरह से प्रयास किए जाते हैं, ताकि ईश्वर के सताए हुए लोगों को सर उठाकर जीने का अधिकार मिल सके,इसके लिए कई नियम भी बनाए गए रोजगार देने की भी पहल की गई है पर दिव्यांगों के बीच में भी कुछ ऐसे लोग हैं जो उनके हक को भी मारकर उनके हक को छीन रहे हैं और ऐसे मामले पूरे देश में इस समय उदाहरण बने हुए हैं,जो सही में दिव्यांग है उनके हक फर्जी दिव्यांग छीन रहे हैं। सरकार भी वास्तविक दिव्यांग के अधिकार को मारने वालों पर कार्यवाही करने से बच रही है क्योंकि फर्जी दिव्यांग सरकार को अपनी मर्जी से चला रहे हैं इतनी ऊंची पहुंच व पकड़ है की शिकायत कोई भी कर ले ना जांच होगी ना कार्यवाही होगी और सही दिव्यांग अपने हक खो रहे हैं। इस समय छत्तीसगढ़ में दिव्यांग संघ फर्जी तरीके से फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर नौकरी कर रहे लोगों को लेकर लगातार शिकायत कर रहा है और जांच कार्यवाही की मांग कर रहे हैं ताकि सही दिव्यांगों को उनका हक दिला सके।

फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र मामले में सुर्खियों में है स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी...

स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर ही चुने गए हैं और इसके लिए उन्होंने श्रवण बाधित बनकर उसका फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र बनवाकर यह नौकरी हासिल की है। स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी का दिव्यांग प्रमाण-पत्र फर्जी है यह हम नहीं कह रहे हैं यह प्रदेश का दिव्यांग संघ कह रहा है और उसका कहना है की सभी को सरकारी नौकरी से बाहर निकालने की कार्यवाही करे वरना वह बड़ा आंदोलन करेंगे क्योंकि फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र बनवाकर ऐसे लोग दिव्यांग लोगों का हक मार रहे हैं और वह ऐसा इसलिए कर पा रहे हैं क्योंकि उनकी पहुंच ऊपर तक है। स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर राज्य प्रशासनिक सेवा अधिकारी की कुर्सी हथियाने वाले अधिकारी की पहुंच भी ऊंची है उनके एक भाई राज्य प्रशासनिक सेवा के ही अधिकारी हैं और वह पूर्व में मुख्यमंत्री के ओएसडी रह चुके हैं और उस समय माना जा रहा है अपने भाई को वह बचाने का काम करते थे वहीं अब खुद उनका भाई स्वास्थ्य मंत्री से जाकर इसलिए चिपक गया है उनका ओएसडी बन गया है क्योंकि उसे भी मालूम है वर्तमान सरकार में उसका बचाव एक ही व्यक्ति गलत होने के बावजूद भी कर सकता है वह खुद स्वास्थ्य मंत्री हैं जो अपने तथाकथित भतीजे की भी फर्जी डिग्री मामले में उसके भ्रष्टाचार मामले में उसके साथ खड़े हैं उसे कोरिया से भी बड़ा जिला देकर उसका मनोबल भ्रष्टाचार के लिए बढ़ा चुके हैं। अन्य कोई और उसकी मदद नहीं करेगा यह वह जानकर ही स्वास्थ्य मंत्री से जा चिपके हैं।

दिव्यांग संघ का प्रदर्शन

छत्तीसगढ़ दिव्यांग संघ ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से अपनी मांगों को लेकर मुलाकात की, दिव्यागों ने प्रदेश में फर्जी दिव्यांगता प्रमाण-पत्र से नौकरी कर रहे लोगों के नाम का खुलासा करने, पेंशन,अन्य अधिकार और संरक्षण संबंधित बातें मुख्यमंत्री साय के सामने रखी, इसके बाद दिव्यांग संघ ने 28 अगस्त को रायपुर में विशाल दिव्यांगजन स्वाभिमान पैदल मार्च करने का आह्वान किया, यह पैदल मार्च 28 अगस्त को सुबह 10 बजे मरीन ड्राइव से घड़ी चौक होते हुए मुख्यमंत्री निवास तक होगा।

मोदी की गारंटी का नाम से आई छत्तीसगढ़ सरकार भ्रष्टाचार में ही डूबती जा रही है?

वैसे छत्तीसगढ़ प्रदेश में भाजपा की इस बार की सरकार कई बड़े वादों के साथ वापसी कर सकी है जिसमे भ्रष्टाचार को भी मिटाना उसका वादा है या जिसे उन्होंने मोदी की गारंटी का नाम दिया है लेकिन जैसे जैसे सरकार का कार्यकाल आगे बढ़ रहा है यह देखने को मिल रहा है की सरकार भ्रष्टाचार में ही डूबती जा रही है। स्वास्थ्य विभाग में तो केवल भ्रष्टाचार का ही बोलबाला है वह स्वास्थ्य मंत्री के भतीजे का मामला हो या उनके ओएसडी का मामला हो जिसमे एक फर्जी डिग्री वाला संविदा अधिकारी है और भ्रष्टाचार मचाता फिर रहा है वहीं एक फर्जी दिव्यांग बनकर बड़ा अधिकारी है और स्वास्थ्य मंत्री का खास है। यदि देखा जाए तो प्रदेश में भाजपा की नई सरकार की किरकिरी केवल स्वास्थ्य मंत्री के कारण ही हो रही है। स्वास्थ्य मंत्री की मनमानी और उनकी स्वास्थ्य विभाग में नियुक्ति जो महत्वपूर्ण पदों पर व्यवस्था के तहत की गई है वह यह साबित करता है की किस तरह चुन चुन कर भ्रष्टाचारियों को पद दिया गया जो मरीजों के हक का जितना लूट सके वह उतने ही बड़े पद पर स्वास्थ्य मंत्री की कृपा से बैठा है।उनका खुद का तथाकथित भतीजा तो बिचौलिया भी बन चुका है अब वह किसे किस पद रखना है क्या लेना-देना है वह खुद तय करने लगा है।

कलम बंद...का 57 वां दिन

?

कलम बंद...का 57 वां दिन

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

क्या प्रकशित करें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

अम्बिकापुर,27 अगस्त 2024(घटती-घटना)। आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं...वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं...आपके विभाग में कितनी कमियां हैं...यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है...वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें..यह आपकी तय करें ? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उसे कर्मियों को दूर करने के बजाय आप अखबार से पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

कलम बंद...का 57 वां दिन

कलम बंद...का 57 वां दिन

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

अम्बिकापुर,27 अगस्त 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

2

कलम बंद...का 57 वां दिन

कलम बंद...का 57 वां दिन

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है?

अम्बिकापुर,27 अगस्त 2024(घटती-घटना)। भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

कलम बंद...का 57 वां दिन

कलम बंद...का 57 वां दिन

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार?

» भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...
» कमी दिखाओ तो दिक्कत...
» जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

अम्बिकापुर ,27 अगस्त 2024(घटती-घटना)। आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

कलम बंद...का 57 वां दिन

कलम बंद...का 57 वां दिन

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

CMYK

महिला टी 20 विश्व कप के लिए आईसीसी ने जारी किया शेड्यूल

» 28 सितम्बर से शुरू होंगे अभ्यास मैच

नई दिल्ली,27 अगस्त 2024। अब महिला टी20 विश्व कप का नया शेड्यूल आईसीसी ने जारी कर दिया है। महिला टी20 विश्व कप को पहले बांग्लादेश में आयोजित किया जाना था। मगर बांग्लादेश में हुई हिंसा के कारण इसे वहां आयोजित नहीं किया जाएगा। आईसीसी बांग्लादेश से मेजबानी ले चुका है। अब इसका नया वेन्यू यूएई बना है। अब आईसीसी टी20 विश्व कप के मैच दुबई और शारजाह में होंगे।

आगामी आईसीसी टी 20 विश्व कप के लिए अभ्यास मैचों की घोषणा मंगलवार को की गई, जिसमें भारत इस प्रमुख प्रतियोगिता की तैयारी के लिए वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के साथ खेलेगा। आईसीसी के अनुसार, अभ्यास मैच शनिवार, 28 सितंबर से मंगलवार, 1 अक्टूबर तक संयुक्त अरब अमीरात में खेले जाएंगे। महिला टी-20 विश्व कप 2024 के लिए क्वालीफाई करने वाली सभी 10 टीमें अभ्यास मैचों में भाग लेंगी, जिसमें प्रत्येक टीम दो अभ्यास मैच खेलेगी।

ये अभ्यास मैच 20 ओवर के होंगे और इन्हें अंतरराष्ट्रीय टी20 का दर्जा नहीं मिलेगा, जिससे टीमें अपने 15 खिलाड़ियों वाले दल के सभी सदस्यों को मैदान में उतार सकेंगी। अभ्यास दौर में एक ही समूह की कोई भी दो टीमें एक-दूसरे से नहीं भिड़ेंगी।आगामी महिला टी-20 विश्व कप में ग्रूप-ए में गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका शामिल हैं। ग्रुप बी में इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, स्कॉटलैंड और बांग्लादेश हैं।

अभ्यास मैच 28 सितंबर को शुरू होंगे जिसमें पाकिस्तान का मुकाबला स्कॉटलैंड से होगा और श्रीलंका का सामना बांग्लादेश से होगा। अगले दिन ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला चिर प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड से होगा, जबकि उसी दिन भारत का मुकाबला 2016 के चैंपियन वेस्टइंडीज से होगा।

पिछले साल टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को उसके घर में 19 रन से हराकर अपना छठा खिताब जीता था। वहीं, भारत सेमीफाइनल में पहुंचा था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया से पांच रन से हार गया था। टूर्नामेंट को बांग्लादेश से यूएई में स्थानांतरित करने के बाद, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को दुबई और शारजाह में खेले जाने वाले कार्यक्रम में बदलाव किया।

अक्टूबर में होने वाले इस टूर्नामेंट के ग्रूप ए में छह बार के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के साथ 2020 के उपविजेता भारत, ट्रांस-तस्मान प्रतिद्वंद्वी न्यूजीलैंड और एशियाई पक्ष पाकिस्तान और श्रीलंका को रखा गया है। दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड को ग्रूप बी में 2016 के चैंपियन वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और स्कॉटलैंड के साथ रखा गया है।

श्रीलंका और स्कॉटलैंड ने इस साल की शुरुआत में अबू धाबी में आयोजित आईसीसी महिला टी20 विश्व कप क्वालीफायर टूर्नामेंट के माध्यम से टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया। प्रत्येक टीम टूर्नामेंट में चार ग्रुप मैच खेलेगी, जिसमें प्रत्येक ग्रुप की शीर्ष दो टीमें 17 और 18 अक्टूबर को सेमीफाइनल में पहुंचेंगी और उसके बाद 20 अक्टूबर को दुबई में फाइनल होगा। सेमीफाइनल और फाइनल दोनों के लिए एक रिजर्व डे तय किया गया है।

वार्म-अप मैचों का शेड्यूल

28 सितंबर, शनिवार, पाकिस्तान बनाम स्कॉटलैंड, सेवन्स, दुबई, शाम 6 बजे
28 सितंबर, शनिवार, श्रीलंका बनाम बांग्लादेश, आईसीसीए1, दुबई,शाम 6 बजे
29 सितंबर, रविवार, न्यूजीलैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका, सेवन्स, दुबई, शाम 6 बजे
29 सितंबर, रविवार, भारत बनाम वेस्टइंडीज, आईसीसीए2, दुबई, शाम 6 बजे
29 सितंबर, रविवार, ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड, आईसीसीए1, दुबई, शाम 6 बजे
30 सितंबर, सोमवार, श्रीलंका बनाम स्कॉटलैंड, सेवन्स, दुबई, शाम 6 बजे
30 सितंबर, सोमवार, बांग्लादेश बनाम पाकिस्तान, आईसीसीए2, दुबई, शाम 6 बजे
1 अक्टूबर, मंगलवार, वेस्टइंडीज बनाम ऑस्ट्रेलिया, सेवन्स, दुबई, शाम 6 बजे
1 अक्टूबर, मंगलवार, इंग्लैंड बनाम न्यूजीलैंड, आईसीसीए2, दुबई, शाम 6 बजे
1 अक्टूबर, मंगलवार, दक्षिण अफ्रीका बनाम भारत, आईसीसीए1, दुबई, शाम 6 बजे।

बीसीसीआई ने घरेलू क्रिकेटर्स के लिए खोला खजाना

» जूनियर खिलाड़ियों को भी मिलेगा फायदा

नई दिल्ली,27 अगस्त 2024। बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने एक घोषणा की है जहां, महिला और जूनियर क्रिकेटर प्रतियोगिताओं में प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के पुरस्कार दिए जाएंगे। जय शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस संबंध में एक बयान जारी किया।

इस दौरान जय शाह ने लिखा कि, हम अपने घरेलू क्रिकेट कार्यक्रमों के तहत सभी महिला और जूनियर क्रिकेट टूर्नामेंट में प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के लिए पुरस्कार राशि शुरू कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, सीनियर पुरुषों के लिए विजय हजारे और सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट में प्लेयर ऑफ द मैच के लिए पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।

जय शाह ने आगे लिखा कि, इस पहल का उद्देश्य घरेलू सर्किट में उत्कृष्ट प्रदर्शन को पहचानना और पुरस्कृत करना है। इस प्रयास में उनके अटूट समर्थन के लिए एपेक्स काउंसिल को हार्दिक धन्यवाद। हम मिलकर अपने क्रिकेटर्स के लिए ज्यादा फायदेमंद माहौल तैयार कर रहे हैं। जय हिन्द। बीसीसीआई ने पिछले साल घरेलू टूर्नामेंट्स के लिए पुरस्कार राशइ में वृद्धि की थी, जिसमें रणजी ट्रॉफी विजेताओं को 5 करोड़ रुपये का नकद इनाम दिया गया था। ईरानी कप के लिए नकद पुरस्कार भी दोगुना कर दिया गया था, जिसमें विजेता को 25 लाख रुपये के बजाय 50 लाख रुपये दिए गए थे, और उपविजेता टीम को 25 लाख रुपये मिले थे।

भारतीय महिला टीम का ऐलान

हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में इन खिलाड़ियों को मिला मौका

नई दिल्ली,27 अगस्त 2024। इसी साल अक्टूबर में यूएई में होने वाले महिला टी 20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम का मंगलवार को ऐलान हो गया है। जहां हरमनप्रीत कौर को टीम की कप्तानी सौंपी गई है। इस टीम में 3 ट्रैवलिंग रिजर्व और 2 नॉन ट्रैवलिंग रिजर्व को भी चुना गया है।

वहीं स्मृति मंधाना को उपकप्तान बनाया गया है। रिचा घोष और यास्तिका भाटिया को टीम में बतौर विकेटकीपर के रूप में शामिल किया गया है। श्रेयंका की तरह भाटिया की भागीदारी फिटनेस पर निर्भर है। भारत ग्रूप ए में ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के साथ है। जबकि भारतीय महिला टीम 4 नवंबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

महिला टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शैफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष, यास्तिका भाटिया, पूजा वस्त्राकर, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, दयालन हेमलता, आशा शोभना, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल, सजना सजीवन।

ट्रैवलिंग रिजर्व- उमा छेत्री, तनुजा कंवर, साइमा ठाकोर।

नॉन ट्रैवलिंग रिजर्व- राधवी बिष्ट, प्रिया मिश्रा।

यूएई में 6 अक्टूबर भिड़ेंगे भारत-पाकिस्तान

नई दिल्ली,27 अगस्त 2024। आईसीसी ने महिला टी 20 वर्ल्ड कप 2024 का नया शेड्यूल जारी किया है। बांग्लादेश की जगह अब ये टूर्नामेंट यूएई में शिफ्ट कर दिया गया है। दुबई 6 अक्टूबर को भारत और पाकिस्तान के बीच हाई वोल्टेज मुकाबले की मेजबानी करेगा। दुबई में ही 20 अक्टूबर को 18 दिवसीय टूर्नामेंट का फाइनल होगा। वहीं मेजबान शहर शारजाह में 13 अक्टूबर को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अहम मुकाबला खेला जाएगा, ये एकमात्र लीग मैच है जिसे हरमनप्रीत कौर की टीम दुबई से बाहर खेलेगी। शारजाह 18 अक्टूबर को दूसरे सेमीफाइनल की मेजबानी भी करेगा। अगर भारत क्वालिफाई करता है, तो वह 17 अक्टूबर को दुबई में पहला सेमीफाइनल खेलेगा।

ग्रूप में कोई बदलाव नहीं

ग्रूप में कोई बदलाव नहीं हुआ है। 6 बार के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका ग्रुप ए में हैं। दरअसल, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और स्कॉटलैंड को ग्रूप बी में हैं। प्रत्येक टीम चार ग्रुप मैच खेलेगी और प्रत्येक ग्रुप से टॉप दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। आईसीसी ने कहा कि सेमीफाइनल और फाइनल दोनों के लिए रिजर्व डे होगा। इससे पहले 28 सितंबर से 1 अक्टूबर तक 10 वॉर्म अप मैच होंगे।

मोहम्मद सिराज और उमरान मलिक बाहर

» रिप्लेसमेंट का ऐलान; रवींद्र जडेजा भी रिलीज

नई दिल्ली,27 अगस्त 2024। दलीप ट्रॉफी 2024 की शुरुआत 5 सितंबर से हो रही है। इस बार टूर्नामेंट में कुल चार टीमें हिस्सा लेंगी। चारों टीमों के स्क्वाड की घोषणा बीसीसीआई ने पहले ही कर दी थी। लेकिन अब दलीप ट्रॉफी शुरू होने से पहले ही बड़े बदलाव हुए हैं। चोट की वजह से तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और उमरान मलिक बाहर हो गए हैं। वहीं रवींद्र जडेजा को रिलीज कर दिया गया है।

नवदीप सैनी को मिली जगह

मोहम्मद सिराज और उमरान मलिक दोनों ही बीमारी से जूझ रहे हैं और उनके दलीप ट्रॉफी मुकाबलों के लिए समय पर फिट होने की उम्मीद नहीं है। सिराज इंडिया-बी टीम में और उमरान इंडिया-सी टीम में शामिल हैं। अब सिराज की जगह नवदीप सैनी और उमरान की जगह गौरव यादव को चांस मिला है। इससे टीम इंडिया की चिंता बढ़ गई हैं। क्योंकि अब सबसे बड़ा सवाल ये है कि सिराज बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में फिट हो पाएंगे या नहीं। दूसरी तरफ जडेजा के रिप्लेसमेंट का ऐलान अभी नहीं किया गया है।

पिछले तीन साल से टीम इंडिया से बाहर हैं नवदीप सैनी

नवदीप सैनी ने भारतीय टीम के लिए आखिरी मैच साल 2021 में खेला था। तब से ही वह टीम से बाहर चल रहे हैं। अब वह दलीप ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे। ताकि बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में उनका चयन हो सके। उन्होंने अभी तक भारतीय टीम के लिए कुल 2 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें 4 विकेट अपने नाम किए हैं। उन्होंने टीम इंडिया के लिए 8 वनडे मैचों में 6 विकेट और 11 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 13 विकेट हासिल किए हैं।

दलीप ट्रॉफी के लिए इंडिया-सी और इंडिया-बी का स्क्वॉयड

इंडिया बीः अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), मुशीर खान, नितीश कुमार रेड्डी*, वाशिंगटन सुंदर, नवदीप सैनी, यश दयाल, मुकेश कुमार, राहुल चाहर, आर साई किशोर, मोहित अवस्थी,एन जगदीसन।

इंडिया सीः रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), साई सुदर्शन, रजत पाटीदार, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, बी इंद्रजीत, रितिक शौकीन, मानव सुथार, गौरव यादव, विशाक विजयकुमार, अंशुल खंबोज, हिमांशु चौहान, मयंक मारकंडे, आर्यन जुयाल, संदीप वारियर

इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम का ऐलान

» इन 2 प्लेयर्स को मिली पहली बार एंट्री

» हीथर नाईट खिलाड़ी के हाथों में कमान

लंदन,27 अगस्त 2024। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया गया है। संयुक्त राज्य अमीरात यानी यूएई में इस साल महिला टी20 वर्ल्ड कप का अक्टूबर महीने में आयोजन होना है, जिसके लिए इंग्लैंड ने 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है विकेटकीपर-बल्लेबाज बेस हीथ और ऑलराउंडर फ्रेया केम्प को पहली बार टी20 वर्ल्ड कप टीम में चुना गया है, साथ ही डेनियल गिब्सन को भी शामिल किया गया है, जो पिछली बार साउथ अफ्रीका में खेले गए वर्ल्ड कप में बतौर रिजर्व खिलाड़ी टीम के साथ थीं।

2023 टी 20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज सोफी एक्लेस्टोन को साथी स्पिनर

लिंसे स्मिथ के साथ चुना गया है, जो इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड की टी20 टीम में वापस लौटी हैं। तेज गेंदबाज लॉरेन फिलर अबू धाबी में तैयारी शिविर के लिए टीम में शामिल होंगी। आईसीसी वॉर्म-अप मैचों से पहले इंग्लिश टीम अबू धाबी में ट्रेनिंग कैम्प के लिए जाएगी जो 13 से 24 सितंबर तक चलेगा। इसके बाद टीम शारजाह और दुबई में ग्रूप बी में बांग्लादेश, साउथ अफ्रीका, स्कॉटलैंड और वेस्टइंडीज का सामना करेगी।

कप्तान हीथर नाइट ने कहा कि वर्ल्ड कप हमेशा एक खिलाड़ी के लिए खास टूर्नामेंट होता है और मैं यूएई में जाने वाली टीम के ऐलान के बाद वह बहुत उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि टीम को एक और वर्ल्ड कप में ले जाना सम्मान की बात है। उनकी टीम आगे आने वाली चुनौतियों और अवसरों का इंतजार कर रहे हैं।

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप के लिए इंग्लैंड की महिला टीमः हीथर नाइट (कप्तान), लॉरेन बेल, माया बाउचियर, ऐलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, डेनिएल गिब्सन, सारा ग्लेन, बेस हीथ, एमी जोन्स, फ्रेया केम्प, नैट साइवर-ब्रंट, लिन्सी स्मिथ, डैनी व्याट।

आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 में इंग्लैंड का शेड्यूल

शनिवार 5 अक्टूबर, बांग्लादेश बनाम इंग्लैंड, शारजाह

सोमवार 7 अक्टूबर, इंग्लैंड बनाम साउथ अफ्रीका, शारजाह

रविवार 13 अक्टूबर, इंग्लैंड बनाम स्कॉटलैंड, शारजाह

मंगलवार 15 अक्टूबर, इंग्लैंड बनाम वेस्टइंडीज, दुबई

गुरुवार 17 अक्टूबर, सेमीफाइनल 1, दुबई

शुक्रवार 18 अक्टूबर, सेमीफाइनल 2, शारजाह

रविवार 20 अक्टूबर, फाइनल, दुबई

अब इश्कबाज एक्ट्रेस की टूटी शादी

इश्कबाज फेम एक्ट्रेस नवीना बोले ने अपनी शादी को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। अभिनेत्री अपने पति जीत करनानी से शादी के 7 साल बाद अलग हो रही हैं और इस बात की पुष्टि खुद नवीना ने की है। नवीना ने साफ किया कि वह और जीत तलाक ले रहे हैं। यही नहीं टीवी एक्ट्रेस ने अपने तलाक की वजह भी बता दी है। अपने तलाक की खबरों को कन्फर्म करते हुए अभिनेत्री ने अपने और जीत के रिश्ते में आई खटपट का भी खुलासा किया है।नवीना ने सोशल मीडिया पर कुछ न्यूज पेपर्स की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा- हां ऐसा हुआ है। हां, यह सच है। जिंदगी चलती रहती है और सब कुछ अच्छे के लिए होता है। अभिनेत्री के इस पोस्ट के बाद उनके फैंस के बीच हलचल पैदा हो गई है। वहीं एक्ट्रेस के कुछ सेलिब्रिटी दोस्तों ने उन्हें आगे की जिंदगी के लिए शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि आगे चलकर दोनों की जिंदगी खुशमय होगी। रिद्धिमा तिवारी ने अभिनेत्री के पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा- लव एंड लाइट। वहीं सारा अरफीन खान ने भी नवीना के पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा- आप दोनों का फैसला जो भी हो,उम्मीद है दोनों खुश रहेंगे।

ये मैं करूंगा,जब आमिर ने मांगा अक्षय खन्ना का रोल

फरहान अख्तर ने 2001 में रिलीज हुई दिल चाहता है से अपना डायरेक्टोरियल डेब्यू किया था। इस फिल्म में आमिर खान, अक्षय खन्ना और सैफ अली खान की तिकड़ी ने ऐसा रंग जमाया कि देखते ही देखते बॉक्स ऑफिस पर नोटों की बारिश हो गई। इस फिल्म में आमिर खान ने लीड रोल निभाया था, हालांकि ये बात और है कि पहले ये किरदार अक्षय खन्ना निभाने वाले थे। फरहान अख्तर ने हाल ही में इसका खुलासा किया और बताया कि आमिर ने फिल्म में एक जॉली नेचर वाले आकाश मल्होत्रा की भूमिका निभाई थी, जो पहले अक्षय खन्ना को दी गई थी। फरहान ने खुलासा किया कि जब आमिर ने फिल्म साइन की, तो उन्होंने आकाश का किरदार निभाने की बात कही।

आमिर ने फरहान अख्तर से कहा कि वह पहले कई गंभीर रोल निभा चुके हैं, इसलिए वह इस बार कुछ अलग रोल निभाना चाहते थे। लेकिन, ये रोल पहले ही अक्षय खन्ना साइन कर चुके थे, मगर फिल्म के फायदे के लिए अक्षय खन्ना ने विनम्रतापूर्वक ये रोल छोड़ दिया। फरहान अख्तर ने ये खुलासा किया। फरहान कहते हैं- मैंने अक्षय खन्ना से सच्चे ग्रेस का अनुभव किया है। जब मैं दिल चाहता है के लिए उनसे मिला, तो मैंने उन्हें आकाश का रोल ऑफर किया था, जिसे बाद में आमिर ने किया। जब मैंने उस समय अक्षय से संपर्क किया, तो मैं दो और यंग एक्टर्स को कास्ट करना चाहता था। पहले इन दो रोल के लिए मैं ऋतिक रोशन और अभिषेक बच्चन के पास गया। जो उन दिनों सिर्फ एक फिल्म पुराने थे। लेकिन उनके पास दूसरे प्रोजेक्ट थे और ऐसा नहीं हो पाया। इसलिए मुझे दिल चाहता है के लिए थोड़ी पुरानी पीढ़ी के अभिनेताओं को चुनना पड़ा। फरहान आगे कहते हैं- दर-दर की ठोकरें खाने के बाद मैंने आमिर खान को स्क्रिप्ट सुनाई तो उन्होंने मुझसे कहा कि, क्योंकि उन्होंने पिछली कुछ फिल्मों में गंभीर भूमिकाएं निभाई हैं, इसलिए वह इस फिल्म में आकाश की भूमिका निभाना चाहते हैं। अक्षय ने शांति से मुझसे कहा कि उन्हें फिल्म पसंद है और जानते हैं कि इसे बनाना ही होगा। उन्होंने कहा, मैं सिद्धार्थ का किरदार निभा लूंगा। ऐसे एक्टर रेयर हैं जो भूमिकाओं को इतनी खूबसूरती से छोड़ देते हैं।

यही नहीं, फरहान अख्तर ने इस दौरान ये खुलासा भी किया कि शाहरुख खान से पहले उन्होंने डॉन ऋतिक रोशन को ऑफर की थी। फरहान अख्तर ने ऋतिक रोशन की लक्ष्य रिलीज होने के बाद डॉन की स्क्रिप्ट पर काम शुरू किया था। उन्होंने ऋतिक को कहा कि वह उन्हें इस फिल्म में कास्ट करना चाहते हैं और जल्दी ही स्क्रिप्ट देंगे। लेकिन, जब वह स्क्रिप्ट लिखने लगे तो उनके दिमाग में डॉन के लिए शाहरुख खान का नाम घूमने लगा, जिसके बाद ऋतिक ने भी बहुत ही शांति से उनकी बात स्वीकार कर ली और अक्षय खन्ना की ही तरह ये रोल किसी दूसरे एक्टर को दे दिया।

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0 /अ-6-अ/2023-24

// **ईश्तहार** //

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रकाश मण्डल आ0 स्व0 रमनी, निवासी ग्राम मदनपुर, तहसील सूरजपुर, जिला-सूरजपुर(छ0ग0) के द्वारा छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 115,116 के अंतर्गत आवेदन श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी(रा0) अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदक के स्वामित्व एवं अधिपत्य की ग्राम नेहरूनगर स्थित भूमि खसरा नंबर 142/1 रकबा 0.260 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेख में वर्ष 2014-15 तक आवेदक का नाम दर्ज रहा, किन्तु वर्ष 2016 के बाद आवेदक नाम त्रुटिवश छूट गया है। आवेदक द्वारा उक्त त्रुटि को सुधार करते हुए आवेदक का नाम दर्ज किए जाने हेतु निवेदन किया गया है जो जांच एवं प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 20/09/2024 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 22/08/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — **नायब तहसीलदार** अम्बिकापुर-02

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा) अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0 /अ-2/2023-24

-:: **ईश्तहार** ::-

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक चन्दन कुमार गुप्ता आ0 स्व0 हरीश प्रसाद गुप्ता जाति हलवाई निवासी रिंग रोड, बौरीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 2092/10 रकबा 0.009 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1,खसरा, नक्शा, सेटलमेन्ट, ले-आउट, भूमि की उपयोगिता प्रमाण पत्र रजिस्ट्री की प्रति आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया गया है,जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो, निर्धारित सुनवाई तिथि 08/09/2024 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 22/08/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — **अनुविभागीय अधिकारी(रा)** अम्बिकापुर

CMYK

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलम बंद अभियान का 57 वां दिन

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग के संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...के पन्द्रहवें दिन भी केंद्र सरकार से अनुमोदित विज्ञापन नियमावली के आदेश को ठेंगा दिखाने वाले जनसंपर्क विभाग के द्वारा कोई प्रतिक्रिया नहीं देने के पीछे किसका हाथ...

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...

अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें ?

क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी ?

क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

क्यूं न लिखें सच ?

इमरजेंसी पर बात...हर बात पर आरोप...तो छत्तीसगढ़ में एक आईपीएस व आईएएस के तुगलकी फरमान पर आदिवासी अंचल से विगत 20 वर्षों से प्रकाशित अखबार पर क्यों किया गया जुर्म...?

क्यों कलमबंद आंदोलन के लिए विवश होना पड़ा एक दैनिक अखबार को...?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)